TANTIA UNIVERSITY, SRI GANGANAGAR

Syllabus Entrance Examination for Ph.D.

Subject- Hindi

Maximum Marks-300 **Minimum Marks-150**

Part A- 150 (Research Methodology)

Part B- 150 (Subject Wise)

PART-A
Research Methodology and Statistics

UNIT 1: Meaning of Research

Aims, nature and scope of research

Prerequisites of research

UNIT 2: Research Problem

Meaning of research problem Sources of research problem Characteristics of a good research problem

Hypothesis: Meaning and types of hypothesis. Research proposal or synopsis.

UNIT 3: Types and Methods of Research

Classification of Research
Pure and Applied Research
Exploring or Formulative Research
Descriptive Research
Diagnostic Research/Study
Evaluation Research/Studies
Action Research
Experimental Research
Historical Research
Surveys
Case Study
Field Studies

Unit 4: Review of Related Literature

Purpose of the review. Identification of the related literature. Organizing the related literature.

UNIT 5: Data Collection (Sampling) Sampling and Population Techniques of sampling Selection Characteristics of a good sample Types of data.

UNIT 6: Tools of Data Collection

Observation, Interview, Questionnaire, Rating scales, Attitude scales, Schedules, Characteristics of good research tools.

UNIT 7: Statistics

Concept of statistics, relevance in education, parametric and non-parametric data; graphical representation of data: histogram, frequency polygon, ogive and pie chart; Measures of Central Tendency: concept,

computation and interpretation; measures of variability: concept, computation and interpretation; normal probability curve: concept, application and interpretation.

Correlation: concept, computation and interpretation- Product Moment, Rank Order, Biserial, Point Biserial, Phi, Contingency, Tetrachoric; significance of mean: concept, computation and interpretation of significance of t-test(correlated and uncorrelated, matched, paired-unpaired, matching- paired); ANOVA(One way) :concept, computation and interpretation, regression and prediction; chi square: concept, computation and interpretation (equal and normal probability).

UNIT 8: Research Report

Format of the research report Style of writing the report References and bibliography

Reference books:

1. Best John W. and James Kahn, V., 1989, Research in Education, Sixth Edition, Prentice- Hall of India Pvt.Ltd, New Delhi.
2. Sharma R.A., 1992, Fundamentals of Educational Research, Loyal Book Depot, Meerut, UP, India.
3. Kulbir Singh Sidhu, 1990, Methodology of Research in Education, Sterling Publishers Pvt. Ltd., New Delhi.
4. Lokesh Koul, 1997 Methodology of educational Research, third edition, Vikas Publishing House Pvt. Ltd. , New Delhi.
5. Kothari C.R., 1990, Research Methodology Methods and Techniques, Wiley Eastern Limited, New Delhi.
6. Borg Walter R., Gall Meridith D., 1983, Educational Research an Introduction, Fourth Edition, Longaman, New York &London.
7. Nitko Anthony J., 1983, Educational Tests and Measurement an Introduction, Harcourt Brace Jovanovich, Inc., New York.
8. Aggarwal Y.P., 1988, Statistical Methods Sterling Publishers Pvt. Ltd., New Delhi.
9. Garret Hnery E., 1985 Statistics in Psychology and Education, Viakils, Feffer and Simon, Bombay.
10. Guilford, J.P., and Benjamin Fruchter, 1982 Fundamentals of statistics in Psychology and Education, Fifth edition, Mc Graw-Hill Book Company, New York.
11. Gupta S.C. and Kapoor V.K., 1999, Fundamentals of Mathematical Statistics, Sultan Chand& Sons Educational Publishers, New Delhi.
12. Grewal P.S., Methods of Statistics Analysis, Sterling Publishers Pvt. Ltd., New Delhi.
13. Bruce W. Tuckman, Statistics in Psychology and Education.

PART-B
Hindi

1- fgUnh Hkk"kk और mldk fodkl

अपभ्रंश (अवहट्ठ सहित) और पुरानी हिन्दी का सम्बन्ध, काव्यभाषा के रूप में अवधी का उदय और विकास, काव्यभाषा के रूप में ब्रजभाषा का उदय और विकास, साहित्यिक हिन्दी के रूप में खड़ी बोली का उदय और विकास, मानक हिन्दी का भाषा वैज्ञानिक विवरण

(रूपगत), हिन्दी की बोलियाँ – वर्गीकरण तथा क्षेत्र, नागरी लिपि का विकास और उसका मानकीकरण।

हिन्दी प्रसार के आन्दोलन, प्रमुख व्यक्तियों तथा संस्थाओं का योगदान, राजभाषा के रूप में हिन्दी।

हिन्दी भाषा–प्रयोग के विविध रूप – बोली, मानकभाषा, सम्पर्कभाषा, राजभाषा और राष्ट्रभाषा,

संचार माध्यम और हिन्दी।

2- fgUnh lkfgR; dk bfrgkl

हिन्दी साहित्य का इतिहास–दर्शन, हिन्दी साहित्य के इतिहास–लेखन की पद्धतियाँ।

हिन्दी साहित्य के प्रमुख इतिहास–ग्रन्थ, हिन्दी के प्रमुख साहित्यिक केन्द्र, संस्थाएं एवं पत्र–पत्रिकाएं, हिन्दी साहित्य के इतिहास का काल–विभाजन और नामकरण।

vkfndky : हिन्दी साहित्य का आरम्भ, कब और कैसे ? रासो साहित्य, आदिकालीन हिन्दी का जैन साहित्य, सिद्ध और नाथ साहित्य, अमीर खुसरो की हिन्दी कविता, विद्यापति और उनकी पदावली, आरम्भिक, गद्य तथा लौकिक साहित्य।

e/;dky : भक्ति–आन्दोलन के उदय के सामाजिक–सांस्कृतिक कारण, प्रमुख निर्गुण एवं सगुण सम्प्रदाय, वैष्णव भक्ति की सामाजिक–सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, आलवार सन्त, प्रमुख सम्प्रदाय और आचार्य, भक्ति आन्दोलन का अखिल भारतीय स्वरूप और उसका अन्तःप्रादेशिक वैशिष्ट्य।

हिन्दी सन्त काव्य : सन्त काव्य का वैचारिक आधार, प्रमुख निर्गुण सन्त कवि कबीर, नानक, दादू, रैदास, सन्त काव्य की प्रमुख विशेषताएं, भारतीय धर्म साधना में सन्त कवियों का स्थान।

हिन्दी सूफी काव्य : सूफी काव्य का वैचारिक आधार, हिन्दी के प्रमुख सूफी कवि और काव्य– मुल्ला दाऊद (चन्दायन), कुतुबन (मिरमावती), मंझन (मधुमालती), मलिक मुहम्मद जायसी (पद्मावत), सूफी प्रेमाख्यानकों का स्वरूप, हिन्दी सूफी काव्य की प्रमुख विशेषताएं।

हिन्दी कृष्ण काव्य : विविध सम्प्रदाय, वल्लभ सम्प्रदाय, अष्टछाप, प्रमुख कृष्ण–भक्त कवि और काव्य, सूरदास (सूरसागर), नन्ददास (रास पंचाध्यायी), भ्रमरगीत परम्परा, गीति परम्परा और हिन्दी कृष्ण काव्य – मीरा और रसखान।

हिन्दी राम काव्य : विविध सम्प्रदाय, राम भक्ति–शाखा के कवि और काव्य, तुलसीदास की प्रमुख कृतियाँ, काव्य रूप और उनका महत्त्व।

jhfr dky – सामाजिक–सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य, रीतिकाव्य के मूल स्रोत, रीतिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ, रीतिकालीन कवियों का आचार्यत्व, रीतिमुक्त काव्यधारा, रीतिकाल के प्रमुख कवि : केशवदास, मतिराम, भूषण, बिहारीलाल, देव, घनानन्द और पद्माकर, रीतिकाव्य में लोकजीवन।

vk/kfud dky : हिन्दी गद्य का उद्भव और विकास।

भारतेन्दु पूर्व हिन्दी गद्य, 1857 की राज्य क्रान्ति और सांस्कृतिक पुनर्जागरण, भारतेन्दु और उसका मण्डल, 19वीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध की हिन्दी पत्रकारिता।

द्विवेदी युग : महावीरप्रसाद द्विवेदी और उनका युग, हिन्दी नवजागरण और सरस्वती, मैथिलीशरण गुप्त और राष्ट्रीय काव्यधारा, राष्ट्रीय काव्यधारा के प्रमुख कवि, स्वच्छन्दतावाद और उसके प्रमुख कवि।

छायावाद : विशेषताएँ एवं प्रमुख कवि, प्रगतिवाद : विशेषताएँ एवं प्रमुख कवि, प्रयोगवाद : विशेषताएँ एवं प्रमुख कवि, नई कविता : विशेषताएँ एवं प्रमुख कवि, नई कविता : विशेषताएँ एवं प्रमुख कवि, साठोत्तर कविता एवं समकालीन कविता : विशेषताएँ एवं प्रमुख कवि।

3- fgUnh lkfgR; dh x| fo/kk,

हिन्दी उपन्यास : प्रेमचन्द पूर्व उपन्यास, प्रेमचन्द और उनका युग, प्रेमचन्द के परवर्ती प्रमुख उपन्यासकार : जैनेन्द्र, अज्ञेय, हजारीप्रसाद द्विवेदी, यशपाल, अमृतलाल नागर, फणीश्वरनाथ

'रेणु', भीष्म साहनी, कृष्णा सोबती, निर्मल वर्मा, नरेश मेहता, श्रीलाल शुक्ल, राही मासूम रजा,

रांगेय राघव, मन्नू
भण्डारी।

हिन्दी कहानी : बीसवीं सदी की हिन्दी कहानी और प्रमुख कहानी आन्दोलन।
हिन्दी नाटक : हिन्दी नाटक और रंगमंच, विकास के चरण और प्रमुख नाट्यकृतियाँ : अंधेर नगरी, चन्द्रगुप्त, अन्धायुग, आधे–अधूरे, आठवाँ सर्ग, हिन्दी एकांकी।

हिन्दी निबन्ध : हिन्दी निबन्ध के प्रकार और प्रमुख निबन्धकार : रामचन्द्र शुक्ल, हजारीप्रसाद द्विवेदी, कुबेरनाथ राय, विद्यानिवास मिश्र, हरिशंकर परसाई।

हिन्दी आलोचना : हिन्दी आलोचना का विकास और प्रमुख आलोचक : रामचन्द्र शुक्ल, नन्ददुलारे वाजपेयी, हजारीप्रसाद द्विवेदी, रामविलास शर्मा, डॉ. नगेन्द्र, डॉ. नामवर सिंह, विजयदेव नारायण साही।

हिन्दी की अन्य गद्य विधाएँ : रेखाचित्र, संस्मरण, यात्रा–साहित्य, आत्मकथा, जीवनी और रिपोर्ताज।

4- dk0;'kkL= vkj vkykpuk

भरत मुनि का रस सूत्र और उसके प्रमुख व्याख्याकार।

रस के अवयव।

साधारणीकरण।

शब्द शक्तियाँ और ध्वनि का स्वरूप।

अलंकार : यमक, श्लेष, वक्रोक्ति, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, संदेह, भ्रान्तिमान, अतिशयोक्ति, अन्योक्ति, समासोक्ति, अत्युक्ति, विशेषोक्ति, दृष्टान्त, उदाहरण, प्रतिवस्त मा, निदर्शना, अर्थान्तरन्यास, विभावना, असंगति तथा विरोधाभास।

रीति, गुण, दोष।

मिथक, फन्तासी, कल्पना, प्रतीक और बिम्ब।

स्वच्छन्दतावाद और यथार्थवाद, संरचनावाद, उत्तर संरचनावाद, आधुनिकता, उत्तर आधुनिकता।

समकालीन आलोचना की कतिपय अवधारणाएँ : विडम्बना (आयरनी), अजनबीपन (एलियनेशन), विसंगति (एब्सर्ड), अन्तर्विरोध (पैराडॉक्स), विखण्डन (डिकन्स्ट्रक्शन)।